**धारा 107 द. प्र. स. के अधीन याचिका**

न्यायालय .............................

वाद सं. ............................... सन .............................

अबक.................. ............................. ............................. .......................................आवेदक

बनाम

कखग इत्यादि ............................. ............................. .............................विरोधी पक्षकार अन्तर्गत

धारा : 107 द. प्र. सं.

थाना .....................

**याची अति सादर पूर्वक निम्नलिखित रूप में निवेदन करता है –**

1. यह कि विरोधी पक्षकार (पक्षकारों) ने वैसा न करने के बारम्बार किये गये अनुरोध के बावजूद भी याची के गुजरने को बाधा कारित करने वाली बाईपास रोड नगरपालिका को बाधा पैदा करने दीवार के निर्माण को प्रारम्भ कर दिया है/हैं।
2. याची शान्ति प्रिय नागरिक है और ऊपर थाने के अधीन माननीय न्यायालय की अधिकारिता के अन्दर रहता है।
3. यह कि विरोधी पक्षकार नगरपालिका कर्मचारियों के साथ दुरभि संधि में सभी रूपों में संडक एवम् खण्ड के नजदीक निवासी के साथ हाथ मिलाया है जो विरोधी पक्षकार का भी पड़ोसी है।
4. यह कि याची को अनेक अवसर पर कथित विरोधी पक्षकार द्वारा धमकी दी गयी और यह कथन कर मार्ग को बन्द कर देने की धमकी दी गयी है नगरपालिका प्राधिकारी मेरे हाथों एवम् दस्तानों में है और ऐसे रूप में विरोधी पक्षकार वह कर सकता है जो कुछ भी वह पसंद करता है।
5. यह कि अनेक अवसर पर याची ने पुलिस तथा नगर पालिका प्राधिकारियों दोनों को शिकायत दर्ज करायी है जिसकी कोई कार्यवाही नहीं की गयी है। इसने उस स्थान में लोक प्रशान्ति में हिंसक बाधा पैदा करते हुए परिवादियों तथा अन्य निवासियों को बाधा कारित करते हुए विरोधी पक्षकार के साहस को बढ़ा दिया है जिसमें पुलिस ने अप्रत्यक्ष भूमिका अदा की है।

अतएव, याची, यह प्रार्थना करता है कि उपर्युक्त अभिकथन की जाँच की जाय और विरोधी पक्षकार/पक्षकारों को उस एक कालावधि के लिए शान्ति बनाये रखने के लिए प्रतिभुओ सहित बन्धपत्रों को निष्पादित करने का आदेश किया जाए जिसे न्यायालय विद्यमान परिस्थितियों में नियत करने के लिए उपयुक्त तथा उचित समझा जाए।

तारीख : याची जरिये अधिवक्ता

स्थान :